

क्या स्वर्गदूत गाते हैं?

स्वर्गदूतों और दुष्टआत्माओं के बारे में प्रश्न

यह पूछने के लिए अनूठा सा प्रतीत हो सकता कि क्या स्वर्गदूत गाते हैं, क्योंकि पारम्परिक ज्ञान कहता है, "निश्चित रूप से वे ऐसा करते हैं।" गीतों या वीणा को धारण करने वाले स्वर्गदूतों के चित्रों को देखना या अन्यथा उन्हें संगीत-निर्मित करते हुए चित्रों में दर्शाते हुए देखना सामान्य बात है। और लोग अक्सर क्रिसमस की कहानी के बारे में बताते हैं: "स्वर्गदूतों ने यीशु के जन्म के समय चरवाहों के सामने गीत गाया था, है ना?" समस्या यह है कि बाइबल की क्रिसमस की कहानी में गायन का उल्लेख नहीं किया गया है। वास्तव में, पवित्र शास्त्र का बहुत ही छोटा प्रमाण मिलता है कि स्वर्गदूत गाते हैं।

कदाचित् इस विषय के ऊपर सबसे स्पष्ट वचन अय्यूब 38:7 है, जो ऐसे कहता है कि, संसार की सृष्टि के समय, "जब कि भोर के तारे एक संग आनन्द से गाते थे और परमेश्वर के सब पुत्र जयजयकार करते थे।" इस इब्रानी काव्य के समानान्तर में, "भोर के तारे" के आनन्द गान स्वर्गदूतों के गान के तुल्य माना गया है और गायन आनन्द से भरे हुए हर्ष के समान है। यह बहुत ही सरल जान पड़ता है कि: स्वर्गदूत गाते हैं। यद्यपि, इब्रानी से अनुवादित शब्द "गाना" सदैव संगीत की ओर ही इंगित नहीं करता है। इसका अनुवाद "आनन्द से चिल्लाने", "जोर से रोने," या "आनन्दित" होने के रूप में भी किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, बाइबल के अंग्रेजी

अनुवाद एन आई वी में शब्द "स्वर्गदूतों" के अनुवाद का शाब्दिक अर्थ "परमेश्वर के पुत्र" से है।

प्रकाशितवाक्य 5 में एक और सन्दर्भ है, जो इंगित कर सकता है कि स्वर्गदूत गाते हैं। वचन 9 उन प्राणियों की बात करता है जो स्वर्ग में "एक नया गीत गाते हैं"। ये प्राणी चौबीस प्राचीन और चार जीवित प्राणी — सम्भवतः स्वर्गदूत हैं, परन्तु उन्हें विशेष रूप से ऐसा नहीं कहा जाता है। तत्पश्चात् वचन 11 में "कई स्वर्गदूतों का शब्द" सुनाई देता है। लेकिन अब कहा गया "शब्द" विशेष रूप से "गाया नहीं गया है।" वचन 12 में स्वर्गदूतीय प्राणी के शब्द वचन 9 में गीत के शब्दों के समान हैं, परन्तु स्वर्गदूतों के शब्दों को स्पष्ट रूप से एक गीत नहीं कहा जाता है। इसलिए, प्रकाशितवाक्य 5 में कोई निर्णायक प्रमाण प्रस्तुत नहीं करता है कि स्वर्गदूत गाते हैं।

क्रिसमस की कहानी के बारे में क्या कहा जाए? लूका 2:13-14 कहता है, "तब एकाएक उस स्वर्गदूत के साथ स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते दिखाई दिया, 'आकाश में परमेश्वर की महिमा... ।'" एक बार फिर से ध्यान दें, कि स्वर्गदूतों के शब्द "कहते," विशेष रूप से "गाया नहीं जाते हैं।" क्योंकि गायन एक प्रकार का बोलना है, इसलिए यह सन्दर्भ इस विचार से इनकार नहीं करता है कि स्वर्गदूतों ने गाया — परन्तु न ही यह सन्दर्भ इस प्रश्न को समाप्त कर देता है।

संक्षेप में, बाइबल एक निश्चित उत्तर नहीं देती है कि क्या स्वर्गदूत गाते हैं। परमेश्वर ने संगीत और गायन के लिए एक सहज सम्बन्ध के साथ मनुष्य को

निर्मित किया है, विशेष रूप से आराधना के सम्बन्ध में (इफिसियों 5:19)। जब हम परमेश्वर की स्तुति करते हैं, तो हम अक्सर गायन का उपयोग करते हैं। सच्चाई तो यह है कि प्रकाशितवाक्य 5 और लूका 2 में स्वर्गदूतों के शब्द एक काव्य रूप में व्यक्त प्रशंसा के शब्द हैं, जो इस विचार को तर्क देते हैं कि स्वर्गदूत गा रहे हैं। और यह तर्कसंगत प्रतीत होता है कि परमेश्वर ने जिस रूप में मनुष्यों को गायन की क्षमता के साथ बनाया है, उसी प्रवृत्ति में उसने स्वर्गदूतों को भी रचा है। परन्तु हम सैद्धान्तिक नहीं हो सकते हैं। चाहे स्वर्गदूत गा रहे हैं या बाइबल में बोल रहे हों, वे परमेश्वर की आराधना और प्रशंसा कर रहे थे। क्या हम उनके उदाहरण का पालन कर सकते हैं!

स्रोत / Source: <https://www.gotquestions.org/Hindi/Hindi-angels-sing.html> | English: <https://www.gotquestions.org/angels-sing.html>

www.GotQuestions.org · <https://www.gotquestions.org/Hindi> · © Copyright
Got Questions Ministries · questions@gotquestions.org